This question paper contains 3 printed pages.

B.A. (Sem. - II) 046134 **Roll No.** 6933833

AEC - HIN **AEC-52T-104**

B.A. Three/Four Year (Semester - II) EXAMINATION - May, 2026 (Held in Jun. 2026)

(Ability Enhancement Course)

सामान्य हिन्दी (साहित्य)

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 50

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित है।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर–पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

खण्ड – अ के अंतगत प्रश्न संख्या 1 में इकाई 1 के भाग (क) एवं (ख) तथा इकाई 2 के भाग (क) एवं (ख) प्रत्येक से दो–दो प्रश्न कुल आठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड – ब *के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3 में इकाई 3 के भाग (क) एवं भाग (ख) से एक – एक पूछा जाएगा।* प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा।

खण्ड – स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 4, 5, 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है जिसमें इकाई 4 के भाग (क) से दो प्रश्न (प्रत्येक 07 अंक) तथा भाग (ख) से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 10 अंक का होगा।

1.

खण्ड – अ

इकाई – 1

भाग – क

(i) प्रेमचन्द की किन्हीं दो कहानियों के नाम लिखिए।

(ii) 'उजाले के मुसाहिब' कहानी के लेखक कौन हैं?

भाग – ख

(i) 'नाखून क्यों बढ़ते है' निबंध किस रचनाकार का है?

(ii) 'आज भी खरे हैं तालाब' किस विषय से संबंधित लेख है?

इकाई – 2

भाग – क

(i) हरिशंकर परसाई किस विधा की रचनाओं के लिए अधिक प्रसिद्ध हुए?

(ii) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो रेखाचित्रों के नाम लिखिए।

भाग – ख

(i) 'शरत के साथ बिताया कुछ समय' किस साहित्यकार द्वारा लिखा गया संस्मरण है?

(ii) 'इस्पेक्टर मतादीन चाँद पर' किस लेखक की रचना है? 2x8=16

खण्ड – ब

इकाई – 3

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 5

भाग – क

बलिहारी गुर आपणैं, घौ हाड़ी कै बार।
जिनि मानिष तैं देवता, करत न लागी बार।।
सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाडिया, अनँत दिखावणहार।।

भाग – ख

चरन–कमल बंदौ हरि–राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे कौं सब कछु दरसाइ।।
बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।
सूरदास स्वामी करूनामय, बार–बार बंदौ तिहिं पाइ।।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 5

भाग – क

बसो मेरे नैनन में नंदलाल।
मोहनी मूरति साँवरि सूरति, नैणा बने बिसाल।।
अधर सुधारस मुरली राजत, उर बैजंती माल।
छुद्र घंटिका कटि तट सोभित, नूपुर सबद रसाल।।
मीराँ के प्रभु संतन सुखदाई, भगत बछल गोपाल।।

भाग – ख

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर है,
सूर्य–चंद्र युग मुकुट मेखला रत्नाकार है।
नदियाँ प्रेम–प्रवाह फूल तारे मंडन हैं,

बंदी जन खग–वृंद शेष फन सिंहासन हैं।

करते अभिषेक पयोद हैं बलिहारी इस वेष की,

हे मातृभूमि! तू सत्य ही सगुण मूर्ति सर्वेश की।।

खण्ड – स

इकाई – 4

भाग – क

4. 'तुलसीदास' की भक्ति भावना पर लेख लिखिए। 7

अथवा

नागार्जुन की कविताओं के शिल्पगत सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

5. 'अज्ञेय' की 'हिरोशिमा' कविता की संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 7

अथवा

'सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट हैं।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

भाग – ख

6. कबीर की काव्यगत विशेषताओं पर निबंध लिखिए। 10

अथवा

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'वह तोड़ती पत्थर' के काव्यगत सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।